भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 3003
दिनांक 06 अगस्त, 2026

संधारणीय विमान ईंधन का संवर्धन

3003. **श्री दर्शन सिंह चौधरीः**

क्या ***पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2026 के दौरान संधारणीय विमान ईंधन (एसएएफ) के उत्पादन, उपयोग और आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए किसी विशेष नीति, प्रोत्साहन योजना या कार्य योजना को लागू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार विमानन क्षेत्र में एसएएफ का उपयोग बढ़ाने के लिए इसकी उत्पादन क्षमता, ब्लेंडिंग, गुणवत्ता मानकों और आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने हेतु तेल विपणन कंपनियों, विमानन कंपनियों, अनुसंधान संस्थानों और निजी क्षेत्र के सहयोग से कोई विशेष पहल कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) वर्ष 2026 के दौरान एसएएफ से संबंधित स्वीकृत पायलट परियोजनाओं, अनुसंधान और विकास कार्यकलापों, निवेशों, उत्पादन क्षमता और वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार आयातित विमानन ईंधन पर निर्भरता कम करने और कार्बन उत्सर्जन को घटाने के उद्देश्य से कृषि अवशेषों, प्रयुक्त खाना पकाने के तेल, जैव-अपशिष्ट और अन्य जैव-आधारित फीडस्टॉक से एसएएफ के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किसी समयबद्ध कार्य योजना को लागू कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (घ): सरकार ने पारंपरिक विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) में 2027 तक 1%, 2028 तक 2% और 2030 तक 5% के सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) के लिए सांकेतिक मिश्रण लक्ष्यों को मंजूरी दी है, जो शुरू में अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां बताए गए मिश्रण लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं।

इसके अलावा, सरकार ने देश में एसएएफ पारिस्थितिकी तंत्र के विकास का समर्थन करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें शामिल हैं:

(i) एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) (विपणन का विनियमन) आदेश, 2001 (एटीएफ नियंत्रण आदेश) में संशोधन की अधिसूचना दिनांक 17 अप्रैल 2026, एटीएफ नियंत्रण आदेश के दायरे में सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) के साथ मिश्रित एविएशन टर्बाइन फ्यूल लाने के लिए एक प्रशासनिक उपाय के रूप में है।

(ii) अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता और कार्बन प्रमाणन (आईएससीसी) योजना के तहत एसएएफ प्रमाणन निकायों के प्रमाणीकरण के लिए प्रमाणन निकायों के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीसीबी) की मान्यता है।

(iii) तेल विपणन कंपनियों (ओएमसीज) और एयरलाइनों के बीच दीर्घकालिक एसएएफ आपूर्ति व्यवस्था की सुविधा, जिसमें ओएमसीज और एयरलाइनों के बीच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना शामिल है।

(iv) एसएएफ पर हितधारक परामर्श और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) को क्रमशः अपनी पानीपत और मुंबई रिफाइनरियों में एसएएफ उत्पादन के लिए आईएससीसी कार्बन ऑफसेटिंग एंड रिडक्शन स्कीम फॉर इंटरनेशनल एविएशन (आईएससीसी कॉर्सिया) प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

एसएएफ सहित उन्नत जैव ईंधन उत्पादन को सुविधाजनक बनाने के लिए, सरकार ने लिग्नोसेलुलोसिक बायोमास और अन्य नवीकरणीय फीडस्टॉक का उपयोग करके देश में एसएएफ उत्पादन के लिए परियोजनाओं सहित उन्नत जैव ईंधन परियोजनाओं की स्थापना के उद्देश्य से 2019 में "प्रधानमंत्री जी-वन (जैव ईंधन-वातावरण अनुकूल फसल अवशेष निवारण) योजना" को अधिसूचित किया, जिसे 2024 में संशोधित किया गया। पीएम जी-वन के लिए कुल वित्तीय परिव्यय 1,969.50 करोड़ रुपये है, जिसमें से 1,800 करोड़ रुपये वाणिज्यिक पैमाने की उन्नत जैव ईंधन परियोजनाओं के लिए और 150 करोड़ रुपये प्रदर्शन पैमाने की उन्नत जैव ईंधन परियोजनाओं के लिए आवंटित किए गए हैं। परियोजना की कुल लागत में बायोमास आपूर्ति श्रृंखला और हैंडलिंग, प्रौद्योगिकी शुल्क, कुल उपकरणों की लागत आदि शामिल हैं। पीएम जी-वन योजना के तहत, वाणिज्यिक पैमाने की परियोजनाओं के लिए प्रति परियोजना अधिकतम 150 करोड़ रुपये और उन्नत जैव ईंधन के उत्पादन के क्षेत्र में प्रौद्योगिकियों के विकास और अपनाने के लिए अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के साथ-साथ वाणिज्यिक व्यवहार्यता में सुधार के लिए प्रति परियोजना 15 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता निर्धारित की गई है।

जून 2026 में, पीएम जेआई-वन योजना के तहत तीन वाणिज्यिक-स्केल और दो प्रदर्शन-स्केल एसएएफ परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई थी। स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	**परियोजना विकासकर्ता**	**संयंत्र का स्थान**	**परियोजना का प्रकार**	**स्वीकृत वित्तीय सहायता, करोड़ रुपए**
1	मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड	मैंगलोर, कर्नाटक	वाणिज्यिक-स्केल	56
2	एम11एनर्जी ट्रांज़िशन लिमिटेड	उडुपी, कर्नाटक	वाणिज्यिक-स्केल	150
3	ट्रूऑल्ट	बागलकोट, कर्नाटक	वाणिज्यिक-स्केल	150
4	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड	विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश	प्रदर्शन-स्केल	15
5	सिन-बायो	नरवार, मध्य प्रदेश	प्रदर्शन-स्केल	15

*****